

---

# Sanskrita Aura Rashtriya Ekata

संस्कृत और राष्ट्रीय ऐकता

## Document Information

---

Text title : Sanskrita Aura Rashtriya Ekata

File name : sanskRRitaaurarASHTrIyaekata.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---


संस्कृत और राष्ट्रीय ऐकता




संस्कृत ही राष्ट्रीय ऐकता का दृढःतम आधार ऐक है,  
यही उमारे स्नेह-समागम मधुर मिलन का द्वार ऐक है । ०  
याडे डों उम दक्षिणवासी याडे डों कश्मीर निवासी,  
अङ्ग-वङ्ग गुजरात मराठा मालव के या डों आवासी,  
ऐक उमारा धर्म सनातन सकल शास्त्र भी ऐक उमारे,  
गीता वेद पुराण उपनिषद् धर्मग्रन्थ ये ऐक उमारे,  
सन्ध्यावन्दन ऐक उमारा गायत्री श्रुतिसार ऐक है,  
यों संस्कृत के कारण सारा भारत ही परिवार ऐक है । १  
प्रादेशिक भाषायें अपने ही प्रदेश का गौरव गातीं,  
ऐक दूसरे से अपने को ही विशेष उत्कृष्ट बतातीं,  
पर अप्पाउस भारत की आत्मा संस्कृत में प्रतिबिम्बित होती,  
ऐक कलशपूजन में पूरे भारत का दर्शन दे देती,  
एससे ही भारत की जनता का सञ्चित संस्कार ऐक है,  
संस्कृत ही राष्ट्रीय ऐकता का दृढःतम आधार ऐक है । २  
उत्तर के पाणिनि की दक्षिण में होती है सादर अर्था,  
दक्षिण के शङ्कर-रामानुज की उत्तर में धर-धर अर्था,  
कालिदास पर भारत के जो व्यक्ति-व्यक्ति का स्वाभिमान है,  
“ललित लवङ्ग-लता” का डोता जो मधुमय सर्वत्र गान है,  
एस मडान अद्वैत दृश्य का संस्कृत ही आधार ऐक है,  
संस्कृत ही राष्ट्रीय ऐकता का दृढःतम आधार ऐक है । ३

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

——  
*Sanskrita Aura Rashtriya Ekata*

pdf was typeset on May 19, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

